जनसंदेश टाइम्स

लखनऊ, गुरुवार, 22 मार्च, 2012

शर्करा महोत्सव में उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा

लखनऊ। राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव में गन्ना के एग्रोटेक एवं बायोटेक विधि द्वारा चीनी के उत्पादन की जानकारी वैज्ञानिको द्वारा दी जायेगी। महोत्सव के दौरान उत्कृष्ट गन्ना उत्पादन के लिए किसानों व शर्करा उद्योग में उत्कृष्ट कार्य के लिए उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे। राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का आयोजन 23 व 24 मार्च तक संस्थान परिसर में किया जा रहा है।

आज यहां संस्थान के लाईब्रेरी भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ के निदेशक डा. एस. सोलोमन ने दी। इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.पीके सिंह तथा एके साह भी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव विचारों, तर्कों व संसाधनों के आदान-प्रदान एवं उत्पादन में वृद्धि की दृष्टि से विभिन्न संस्थानों के शोधकर्ताओं, उत्पादकों, कृषि यंत्र निर्माताओं व उपभोक्ताओं के लिए एक मंच का कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव ग्रामीण व शहरी नागारिकों के मध्य भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में होने वाली अनुसंधान के प्रति जागरूकता लायेगा। इसके अलावा राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव में प्रमुख प्रौद्योगिकियों, गुड़ का उत्पादन व विकसित गन्ना खेती यंत्रों का प्रदर्शन करने के साथ ही विभिन्न संस्थानों के प्रोद्योगिकी स्टाल- गन्ना उत्पादों के विपणन व क्रियाएं एवं गन्ने की खेती के साथ प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सम्बंधित विभिन्न संस्थाएं भाग लेंगी। इसके अलावा छात्रों हेतु प्रतियोगिताएं-भाषण, फोटोग्राफी, ड्राइंग, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, गन्ने का रस पीने तथा गन्ना चूसने आदि से सम्बंधित विभिन्न आयु वर्ग के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। मेले में शैक्षिक विनिर्माताओं, शर्करा व रासायनिक उद्योगों, कृषि यंत्र निर्माताओं व वित्तीय संगठनों द्वारा प्रौद्योगिकियों, क्रियाओं व उत्पादों को दृष्य रूप में माडल द्वारा प्रदर्शन कर उनकी सार्थकता उजागर की जाएगी। *ब्यूरो*

अमर उजाला लखनऊ | बृहस्पतिवार | 22 मार्च 2012

23 मार्च से शुरू होगा राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ अपने स्थापना के 60 वर्ष पूरे होने पर 2012 को हीरक जयंती वर्ष के रूप में मनाएगा। इस मौके पर राजधानी में गुड़ और चीनी की लजीज व्यंजनों का लोग लुत्फ उठाएंगे। संस्थान के दिलकुश बाग स्थित परिसर में हीरक जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 23 व 24 मार्च को दो दिवसीय राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का आयोजन किए जाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। ये बातें बुधवार को पत्रकारों से संस्थान के निदेशक डॉ सुशील सोलोमन ने कही। उन्होंने कहा कि महोत्सव में गन्ने की उन्नत किस्मों को विकसित करने पर वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध को सेमिनार और वर्कशॉप में किसानों को पैदावार बढ़ाने के लिए जानकारियां दी जाएगी।

राष्ट्रीय सहारा
अपना शहर
लखनऊ
लखनऊ | बृहस्पतिवार • 22 मार्च • 2012 www.r

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान का शर्करा महोत्सव कल से

सरोजनीनगर-लखनऊ (एसएनबी)। गन्ना क्षेत्र के विकास के लिए 60 वर्षों से कार्यरत भारतीय गन्ना अनुसंधान अपना हीरक जयन्ती वर्ष मना रहा है। इस मौके पर संस्थान द्वारा दो दिवसीय "राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव" का आयोजन शुक्रवार से संस्थान परिसर में किया जाएगा। जिसमें किसानों के लिए नई तकनीकों व बच्चों को कृषि की जानकारी देने के लिए कई प्रतियोगिताओं का भी आयोजन होगा।

संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक व राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव-2012 की प्रेस-मीडिया समिति के अध्यक्ष डा. एके साह ने बताया कि इस महोत्सव में विचारों, तर्कों व संसाधनो के आदान प्रदान के साथ ही उत्पादन में वृद्धि को लेकर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा इसके मंच के माध्यम से विभिन्न संस्थानों के शोधकर्ताओं, उत्पादकों, कृषि यंत्र निर्माताओं व उपभोक्ताओं को जोड़ने का काम किया जाएगा। महोत्सव में आने वाले ग्रामीण व शहरी नागरिकों को संस्थान द्वारा किये जाने वाले अनुसंधान के प्रति जागरूक किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इसके साथ ही गन्ने की उन्नत किस्मों व अन्य गन्ना उत्पादन तकनीकों तथा शर्करा उत्पादों, के क्षेत्र में बच्चों, विद्यार्थियों, शिक्षाविदों, घरेलू महिलाओं व शोधकर्ताओं को नवीन जानकारियां प्रदान करने में अहम भूमिका निभायेगा।

पायनियर
बृहस्पतिवार, 22 मार्च, 2012

राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव 23 व 24 को

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान अपने स्थापना दिवस 16 फरवरी को 60 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा पूरी करने के उपलक्ष्य में इस वर्ष 'हीरक जयन्ती वर्ष' मना रहा है। वर्ष भर चलने वाले इस सतरंगी समारोह की शुरूआत 'राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव' के 23 व 24 मार्च को होने वाले आयोजन से शुरू हो रहा है। महोत्सव का आयोजन संस्थान परिसर में ही किया जाएगा। संस्थान परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में वरिष्ठ वैज्ञानिक एके साह ने बताया कि महोत्सव विचारों, तर्कों व संसाधनों के आदान-प्रदान एवं उत्पादन में वृद्धि की दृष्टि से विभिन्न संस्थानों के शोधकर्ताओं, उत्पादकों, कृषि यंत्र निर्माताओं व उपभोक्ताओं के लिए एक मंच का कार्य करेगा। यह महोत्सव ग्रामीण व शहरी नागारिकों के मध्य भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में होने वाली अनुसंधान के प्रति जनजागरूकता लायेगी।

हिन्दुस्तान लखनऊ •गुरुवार •22 मार्च 2012

शुगर फेस्ट कल से

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान(आईआईएसआर) में शुगर फेस्ट का आयोजन 23 मार्च से होगा। 23 और 24 मार्च को होने वाले इस फेस्ट में वैज्ञानिकों के अलावा, किसान, शुगर मिल के प्रतिनिधि भाग लेंगे। संस्थान के निदेशक डा. एस सोलोमन ने प्रेसवार्ता में बताया कि इस तरह का आयोजन पहली बार किया जा रहा है। गुड़ से बनने वाली रेसिपी पर महिलाओं की प्रतियोगिता, बच्चों के लिए पोस्टर प्रतियोगिता, गन्ना चूसने की प्रतियोगिताएं रखी गई हैं।

लखनऊ, 22 मार्च 2012 दैनिक जागरण | 9

राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव 23 से

लखनऊ, 21 मार्च (जासं): भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में 23 मार्च से दो दिवसीय राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

महोत्सव में प्रमुख प्रौद्योगिकी, गुड़ का उत्पादन व गन्ना खेती यंत्रों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। विभिन्न संस्थानों के प्रौद्योगिकी स्टाल, खाद्य सामग्री स्टाल-भोजन में गन्ने से निर्मित विभिन्न उत्पाद भी देखे जा सकेंगे। यह जानकारी संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमोन ने दी। उन्होंने बताया कि संस्थान 18 फरवरी से हीरक जयंती वर्ष मना रहा है। वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रमों की कड़ी में इस महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य किसानों व उद्यमियों को सम्मान करना व गन्ने की खेती व शर्करा उत्पादन में वृद्धि करना है।

युनाइटेड भारत, लखनऊ, 22 मार्च, 2012

गन्ना उत्पादन की तकनीकों व उत्पादों पर आधारित शर्करा महोत्सव कल से

युनाइटेड समाचार सेवा

लखनऊ, २१ मार्च। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ गन्ना के उत्पादन संरक्षण, शोध आदि से संबंधित कार्य करता है। संस्थान द्वारा पहली बार 'राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव' का आयोजन २३ व २४ मार्च, तक संस्थान परिसर में किया जा रहा है। ताकि आम लोगों, छात्रों, किसानों तथा उद्यमियों को इस उधोग से संबंधित जानकारी दी जा सके। संस्थान द्वारा महोत्सव में गन्ना के एग्रोटेक एवं बायोटेक विधि द्वारा चीनी के उत्पादन की जानकारी वैज्ञानिको द्वारा दी जायेगी। उक्त जानकारी आज यहां संस्थान के लाईब्रेरी भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के निदेशक डा. एस. सोलोमॉन ने दी। इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. पी.के. सिंह तथा ए.के. साह भी उपस्थित थे। इस अवसर पर वैज्ञानिकों ने उत्कृष्ट कोटी के गन्ने के उत्पादन के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने आगे बताया कि वर्ष २००८ से गन्ने की नवीनतम प्रजाति कोल्क९४१८४ के उत्पादन को बढावा दिया जा रहा है जिसमें किसी प्रकार की बीमारी नहीं लगती है। इस प्रजाति का उत्पादन ७५ से ८० टन प्रति हेक्टेयर तक होता है। उन्होंने आगे बताया कि संस्थान में प्रति वर्ष १००० से १२०० किसान प्रशिक्षण हेतु आते हैं।

'राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव' विचारों, तर्कों व संसाधनो के आदान प्रदान एवं उत्पादन में वृद्धि की दृष्टि से विभिन्न संस्थानों के शोधकर्ताओं, उत्पादकों, कृषि यंत्र निर्माताओं व उपभोक्ताओं के लिए एक मंच का कार्य करेगा। यह महोत्सव ग्रामीण व शहरी नागारिकों के मध्य भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में होने वाली अनुसंधान के प्रति जागरूकता लायेगी। साथ ही गन्ने की उन्नत किस्मों व अन्य गन्ना उत्पादन तकनीकों तथा शर्करा उत्पादों, के क्षेत्र में बच्चों, विद्यार्थियों, शिक्षाविदों, घरेलू महिलाओं व शोधकर्ताओं को नवीन जानकारियाँ प्रदान करने में अहम भूमिका निभायेगी। महोत्सव के दौरान उत्कृष्ट गन्ना उत्पादन के लिए किसानों व शर्करा उद्योग में उत्कृष्ट कार्य के लिए उद्यामियों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर संध्या में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे।

दैनिक प्रभात

प्रभात प्रकाशन के 68 साल

लखनऊ, मेरठ, गाजियाबाद एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

हीरक जयन्ती वर्ष समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित हो रहा सतरंगी कार्यक्रम

नेशनल शुगर फेस्ट 2012 की तैयारी पूरी

विमलेश

लखनऊ, प्रभात। राजधानी लखनऊ स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित नेशनल शुगर फेस्ट अर्न्तगत राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव 2012 की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। दिनांक 23 मार्च को प्रातः 10 बजे इस द्विदिवसीय मेले का शुभारंभ होगा। रात्रि दस बजे तक चलने वाले इस सतरंगी मेले में सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया गया है, जिसमें 23 मार्च को शाहदत हुसैन एवं साथी कव्वाली पेश करेंगे तथा 24 मार्च को गजल गायक मिथिलेश एवं महेंद्र गजल प्रस्तुत करेंगे।

संस्थान के सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक तथा गन्ना उत्पाद एवं शोध के जानेमाने वैज्ञानिक डॉ. एस. सोलोमन ने कहा कि इस महोत्सव में देश के कई नामचीन वैज्ञानिक सहित करीब एक हजार से अधिक गन्ना उत्पादक किसान शामिल होंगे, इसके अलावा घरेलु महिलाओं सहित लखनऊ के करीब 80 स्कूलों के छात्रों को भी आमंत्रित किया गया है, जो एक साथ सम्मिलित होकर गन्ना उत्पादन एवं उससे जुड़े शोध कार्यों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ए. के. शाह ने बताया कि इस द्विदिवसीय मेले में शैक्षिक विनियमिताओं, शर्करा, रसायनिक उद्योगों, कृषि यंत्र निर्माताओं व उत्पादों को सदृश्य रूप में मॉडल द्वारा प्रस्तुत कर उसकी सार्थकता उजागर करने का सफल प्रयास किया जाएगा।

पत्रकारों को सम्बोधित करते संस्थान के निदेशक एवं जाने माने वैज्ञानिक डॉ. एस सोलोमन

डॉ. पी. के. सिंह (पूर्व रजिस्ट्रार) ने बताया कि महोत्सव में गन्ना चूसने आदि से संबंधित विभिन्न आयुवर्ग के लिए प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा जिसमें राजधानी के आम लोग भी भाग ले सकते हैं। छात्रों को बैलगाड़ी द्वारा गन्ने के खेतों का मुआयना कराकर गन्ने की खेती एवं उत्पादों से संबंधित संपूर्ण जानकारी देकर क्विज कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। गौरतलब है कि प्रदेश में पहली बार इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, यही कारण है कि आम लोगों के अलावा महिलाओं, छात्र छात्राओं सहित सभी वर्गों के लोगों में कार्यक्रम के प्रति उत्साह देखा गया।